

साहा चक्रवर्ती

अधिकारी,

उत्तराखण्ड शासन।

संवाद को

विभेदिक,

मैत्रील मुख्यमन्त्री के उचितों,

पहाड़पुर, उत्तराखण्ड।

मैत्रील मुख्यमन्त्री के उचितों

पहाड़पुर विभाग वि.ज. जनवरी २००६

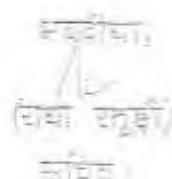
दियता: कैनिक विश्वास यह अधिवासन विभागीय-२००२ के आठवें अंशक संशोधन के संदर्भ
में।

महावर,

उत्तराखण्ड विधायक, शासनावेश नंबर:-४२३-वि.क.-०२-०९(सौनिक कल्पाल)/२००२
विधायक ०३ जनवरी, २००२, संशोधित शासनावेश नंबर:- २२६/वि.वि.(१)/०४-०९
(२३)/२००२, विधायक २८ जितन्दर, २००४ एवं संशोधित शासनावेश नंबर:-
३४५/वि.वि.(२)/२००७-२३(वि.क.)/२००२, विधायक १३ जितन्दर, २००७ तथा आपके पद
नंबर:-४००३-वि.क./वि.वि., विधायकी/एंसो, विधायक १० जितन्दर, २००७ को और
आपका इस आठवें कर्त्ता हुये तुझे यह कहने का विश्वास हुआ है कि की वाजपाल
महावर "उत्तराखण्ड सैनिक विश्वास यह अधिवासन विभागीय-२००२" के तत्पात्र प्रभाव
विष्णवुलार दोषोधन किये जाने की उपर्युक्त प्रदान करते हैं।

वि.वि.	उत्तराखण्ड	पुर्व प्रकार	संशोधित रूप
वि.वि.-२३	विधायक प्रसाद सम्बोधित	१(३) - "विधायक पर्यटक" का तात्पर्य उक्त पर्यटकों के हैं, जो विधायक विभाग के वासना में कहुआर पर्यटक की ओर्डर के छोड़े हैं।	
३-२३)	किया जा सकता है।	२(३) - "विधायक" का तात्पर्य उक्त दूर सौनिकों एवं उनके आदितों के हैं, जो पर्यटक विभाग का विधायिक वासना के तात्पर विष्णवुलार दोषोधन करते हैं। दूर सौनिक एवं उनके आदितों की अत्याधिकता की विवाद के बावजूद विधायिक एवं विधायिक की कठीन अनुसंदेश विभाग के विश्वास विभाग के बावजूद	
३		३(३) - "विधायक प्रतिवेदित" का तात्पर्य के बावजूद विधायक विभाग के विधायिक एवं विधायिक कठीन विभाग के हैं, जिनकी विवाद विभाग के बावजूद विधायिक विभाग के बावजूद विधायिक विभाग के	

१०) अंग्रेजी विज्ञान के अध्यात्मकोव नं.उत्तर:- ६४६(३) वि.अन्,-१५/२००७ दिनोंके
११) उत्तरार्थी, २००७ के ग्राहन उपलो सहजाति से उत्तरार्थी जैसी है।



१. लिखे - निम्नलिखित की सूचनाएँ एवं कारबद्धक काव्योंहों द्वारा दीजिए।
 जिन्हें सुनिध, नाटकालय की दाव्यालय बहुव्य, उत्तराखण्ड।
२. प्रश्नों का॑व्य, नाठ सुख्यनंगी, उत्तराखण्ड।
 ३. जिन्हें सुनिध, हुख्य अधिष, उत्तराखण्ड शास्त्र।
 ४. उत्तराखण्ड किंवद्दिकारी, उत्तराखण्ड।
 ५. संगम चिता देविक लत्याण अपिकारी, उत्तराखण्ड।
 ६. अम्बा तुडे गवाल जिदेशक, उत्तराखण्ड दूर्दौशक काव्यान किंवद्दि लिखा, उत्तराखण्ड।
 ७. उत्तराखण्ड सुनका दिवान कैवल, उत्तराखण्ड सौख्यालय परिषद, उत्तराखण्ड।
 ८. उत्तराखण्ड उत्तराखण्ड सुनकालय दृष्टका लिखित दो हजार रुपयों के लियालयी को १००० कालों मुद्रित कर सौनिध अवकाश अनुसार की दीक्षित बातें का बदल दें।

आका दो-

(अल्प बुनार लौटियाए)

उपर दीर्घ।